

Living the Lotus

12
2022

VOL. 207

Buddhism in Everyday Life



Founder's Reflections

धर्म के साथ एक होना

रेवरेन्ट निक्कयो निवानो

बुद्ध हमेशा हमारे करीब हैं, लगातार हमें धर्म की व्याख्या कर रहे हैं। लेकिन यदि हम वास्तव में बुद्ध की देशना का अनुसरण करने की इच्छा नहीं रखते हैं, तो हम नहीं तो बुद्ध को देख पाएँगे और नहीं तो हम उनकी आवाज ही सुन पाएँगे। यही कारण है कि हमारे अभ्यास का प्रारंभिक बिंदु परिश्रमपूर्वक पुण्डरीकसूत्र का पाठ करना है। इसके अलावा, हमें शब्दों का वैसे ही उच्चारण नहीं करना चाहिए जैसे वे पृष्ठ पर प्रकट होते हैं; हमें एक-एक शब्द को ध्यान से पढ़कर उन्हें अपने हृदय में अंकित करना चाहिए, जैसेकि बुद्ध हमसे व्यक्तिगत रूप से बात कर रहे हों।

जब आप इस तरह पुण्डरीकसूत्र का पाठ करते हैं, तो आपको यह अनुभव होगा कि बुद्ध आपकी कितनी परवाह करते हैं। पुण्डरीकसूत्र की अनमोलता और बुद्ध की करुणा, जो आपको पग पग पर सूत्र के अभ्यास करने का गुण सिखाते हैं, आपके घर आ जाएँगे।

फिर, जब आप हर दिन काम पर बुद्ध के सूत्र से केवल एक शब्द को दूसरों के साथ साझा करने का प्रयास करते हैं और देशना को साझा करने की हार्दिक इच्छा से लोगों के साथ बातचीत करने का प्रयास करते हैं, इससे पहले कि आप इसे महसूस करें, आप पूरी तरह से एक नए व्यक्ति होंगे। धीरे-धीरे, आप धर्म के साथ एक हो जाएँगे और आपका शरीर एक शानदार चमक प्राप्त कर लेगा।

काइसो जुइकान 10 (कोसेइ प्रकाशन, 1997), पीपी. 144-145

रिश्शो कोसेईकाई गृहस्थों की संस्था है जिसका पवित्र ग्रन्थ सद्धर्म पुण्डरीक सूत्र एवं अन्य दो लघु सूत्रों का संकलन है। इस संस्था को संस्थापक निक्कयो निवानो एवं सह-संस्थापक म्योको नागानुमा ने सन् १९३८ ई० में स्थापित किया था। यह उन साधारण स्त्रियों एवं पुरुषों की संस्था है जिन्हें बुद्ध में श्रद्धाविश्वास है तथा जो बुद्ध के उपदेशों के अनुसार चलते हुए अपने आध्यत्मिक जीवन को समृद्ध बनाते हैं।

प्रेसिडेण्ट का दिशानिर्देश निच्चिको निवानो, के अन्तर्गत हम देश एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तरों पर अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर शान्ति एवं कल्याण के लिये तत्पर होकर परोपकार के कार्य में सलग्न हैं।

Living the Lotus
Vol. 207 (December 2022)

Senior Editor: Keiichi Akagawa
Editor: Jigjikhlorloo Gereltuya
Copy Editor: Parmita Shekhar

Living the Lotus is published monthly
by Rishsho Kosei-kai International,
Fumon Media Center, 2-7-1 Wada,
Suginami-ku, Tokyo 166-8537, Japan.
TEL: +81-3-5341-1124
FAX: +81-3-5341-1224
Email: living.the.lotus.rk-international
@kosei-kai.or.jp

“लिविंग द लोटस: बुद्धिज्म इन एवरीडे लाइफ” का उद्देश्य यह दर्शाना है कि जैसे सरोवर के कीचड़ से निकलकर कमल खिलता है वैसे ही पुण्डरीक सूत्र की शिक्षा का दैनिक जीवन में अनुसरण के प्रयास से हमारा जीवन समृद्ध बनता है, हमारा जीना सार्थक होता है। इसका संस्करण के माध्यम से दुनियाँ में लोगों के दैनिक जीवन में बौद्धधर्म की शिक्षा को सरल बोधगम्य बनाना है।

सभी प्राणी एक साथ खुशी से रहें - छह पारमिताएँ

निचिको निवानो
प्रेसिडेण्ट, रिशशो कोसेइ काइ



भ्रम ज्ञान में परिवर्तित हो जाता है

हम मनुष्यों का मन लालची होता है और जरूरत से ज्यादा चाहता है, मन जब गुस्सा करता है और अपने स्वार्थी विचारों के कारण दूसरों से नफरत करता है, यहाँ तक कि ऐसा मन हर चीज पर लागू होने वाला सार्वभौम सत्य को भूल जाता है, जैसे कि कुछ भी हमेशा के लिए एक जैसा नहीं रहता है और सभी चीजें कार्मिक सम्बन्धों से बनी हैं। हमारा मन उनकी सोच की शुद्धता के प्रति आश्वस्त है, जो स्वार्थपरत लालच और क्रोध में निहित है; वह अपने दुःख के बीज बोता है।

हालाँकि, पुण्डरीक सूत्र सहित महायान बौद्ध की देशनाएँ हमें सिखाती हैं कि कोई भी पीड़ा और चिंता से मुक्त हो सकता है, उन भ्रमों के साथ जो किसी के भी सांसारिक जीवन का हिस्सा बनते हैं। वास्तव में, ठीक है कि हमारे पास भ्रम है, हम अपने चरित्रों को सुधारने का प्रयास करते हैं, क्योंकि हमारे पास जीवन और मृत्यु के बारे में अनिश्चितताएँ हैं, हम सत्य की तलाश करते हैं। नतीजतन, हम जो भ्रम से भरे हुए हैं, सच्चे अर्थों में, सभी को मुक्ति दिलाने वाली देशनाओं का सामना कर सकते हैं, जो न केवल हमारे कष्टों को समाप्त कर सकते हैं बल्कि हमारे भ्रमों को ज्ञान में बदल सकते हैं।

इनमें से एक देशना पारमिताएँ हैं, जिनका हम इस वर्ष एक साथ अध्ययन कर रहे हैं। जब पीछे मुड़कर देखता हूँ, मुझे पता चलता है कि ये छह गुण अभ्यास हैं, जो एक सिक्के के पहलू का निर्माण करते हैं और दूसरी तरफ लालच, क्रोध और मोह जैसे भ्रम हैं। इसका मतलब यह है कि मुख्य वाक्यांश जो आत्मकेंद्रित मन को बोधिसत्व का कार्य करने की ओर मोड़ता है, वह हमेशा दृष्टि से आता और जाता रहता है। जैसे ही सिक्का पलटता है, मुख्य वाक्यांश जो मानसिक और शारीरिक अस्तित्व को बदल देता है, जो यहाँ और अभी जीने के लिए प्रेरित करता है, क्रोध और मोह से दूर और बोधिसत्व की चर्याओं की ओर "अन्य लोगों को लाभ पहुँचाने का मन" के अलावा कुछ नहीं है।

दैनिक आधार पर, हम दूसरों को लाभ पहुँचाने का अभ्यास करने के अपने इरादों और इच्छाओं के बारे में बात करते हैं। बेशक, आप सभी इसके बारे में जानते हैं, है ना?

हमारे हृदय में “सभी जीवित प्राणी एक साथ”

जब हम सूत्र पाठ करते हैं, तो हम सराग पढ़ते हैं, “ये गुण सर्वत्र सभी तक पहुँचे, ताकि हम और सभी प्राणी साथ मिलकर बुद्ध मार्ग को पूरा करें।” और हर सुबह और शाम, हम तीन रत्नों, बुद्ध, धर्म और संघ में इन शब्दों के साथ शरण लें: “सभी जीवित प्राणी एक साथ।” क्या हम हमेशा एक साथ खुश रहने की उम्मीद और प्रार्थना नहीं करते हैं, क्योंकि हम अपने आप को इस लक्ष्य के लिए समर्पित करते हैं, अपने हाथों को श्रद्धा से जोड़कर बुद्ध के सामने रखते हैं?

जोदोशिशु संप्रदाय के परमपूज्य पुजारी दाईएड कानेको (1881-1976) ने “सभी जीवित प्राणियों को एक साथ” वाक्यांश को उठाते हुए कहा कि “इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप अपने लाभ के लिए क्या अभ्यास करते हैं, वे जीवित प्राणियों के साथ मिलकर किए जाते हैं और इसी तरह, आप दूसरों के लाभ के लिए चाहे जो भी अभ्यास करते हों, वे सभी आपका अपना मार्ग बन जाते हैं, जिसे बोधिसत्व मार्ग कहा जाता है।” वे आगे कहते हैं कि “सभी जीवित प्राणियों के साथ” होने की आशा का अर्थ है कि आप जो कुछ भी देखते और सुनते हैं वे सच्चे धर्म की दे शना बन जाते हैं और जो कुछ भी आप महसूस करते हैं वे आपके मन को रास्ता खोजने के लिए प्रेरित करने वाली शक्ति बन जाती हैं। यह एक बोधिसत्व के रूप में जीवन की ओर ले जाता है जो “सभी जीवित प्राणियों के साथ” होता है और जो अपने आप में मार्ग का एक हिस्सा बन जाता है। इसमें छह पारमिताओं का अभ्यास करने का महान आनंद निहित है।

यह कहता है, जब आप “सभी जीवित प्राणियों के साथ” होने की प्रार्थना करते हैं, तो आप अपने बगल वाले व्यक्ति के लिए क्या करते हैं? जब आप टीवी या इंटरनेट पर किसी दूर देश में घटती त्रासदी को देखते हैं, तो यह आपके मन को कैसे प्रभावित करता है, आप जो “सभी जीवित प्राणियों के साथ” रहने की इच्छा रखते हैं?

वास्तव में, ऐसा बहुत कम है जो एक व्यक्ति कर सकता है, लेकिन मेरा मानना है कि हम में से हर एक इस बात की खोज कर रहा है कि अपने जीवन को सर्वोत्तम तरीके से कैसे व्यतीत किया जाए और ईमानदारी से यह सोच रहा है कि हम अपने आसपास के लोगों के लिए क्या कर सकते हैं; ये प्रयास बुद्ध के महान कार्य के साथ एक हैं। भले ही बीमारी जैसी परिस्थितियाँ आपको दूसरों के लिए कुछ भी करने से रोकती हों, फिर भी आप “सभी जीवित प्राणियों के साथ” रहने की इच्छा कर सकते हैं। वह कामना उन लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना बन जाती है, जिन्हें एक ही तरह की बीमारी होती है। यह ठीक होने और सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखने की शक्ति बन जाती है जो दूसरों को प्रोत्साहित करती है और आपकी अपनी चिंताओं को दूर करती है। और यह बीमारी से निपटने में आपकी मदद करने के साथ-साथ आपको बहुत आराम दे सकता है जिस तरह अच्छे स्वास्थ्य से संपन्न लोग शायद ऐसा न कर पाएँ।

जापान में नव वर्ष की पूर्व संध्या पर, मंदिर की घंटियाँ एक सौ आठ बार बजती हैं। घंटियों की आवाज़ को उतनी ही बार सुनते हुए जितनी बार भ्रम होता है, मुझे आशा है कि, भले ही यह वर्ष हमारे लिए कई कठिनाइयाँ लेकर आया हो, हम कोबायाशी इस्सा (1763-1828) की कविता के साथ एक दूसरे का अभिवादन करेंगे, “कितना सुंदर ! रात्रि का आकाश, नव वर्ष की पूर्व संध्या पर,” और आशा और उत्साह के साथ नव वर्ष का स्वागत करें।

From Kosei, December 2022.

कॉमिक्स के माध्यम से रिशो कोसेइ काइ का परिचय

शाक्यमुनि बुद्ध का जीवनकाल और बौद्ध धर्म की देशनाएँ

शांतिपूर्ण मनोदशा

“सत्य सिखाता है कि “निर्वाण शांति है।” “यदि हम सही तरीके से मार्ग की देशना का अभ्यास करते और इस सत्य को पूरी तरह से समझते हैं कि “सभी चीजें क्षणभंगुर हैं” और “किसी में स्व का अस्तित्व नहीं है”, तो इसे पूर्णतः समझेंगे।

चाहे कुछ भी हो जाए, यह सोचना महत्वपूर्ण है कि परिवर्तन स्वाभाविक है और बेहतर के लिए चीजों को बदलने का प्रयास करें। इसके अलावा, आपसी सहयोग से अपने दैनिक जीवन का नेतृत्व करना महत्वपूर्ण है, न केवल स्वयं को बल्कि अपने आसपास के अन्य लोगों को भी बेहतर बनाने की कोशिश करना है। तब हमारे पास दूसरों के साथ कोई झगड़ा नहीं होगा, हमारा मन शांत रहेगा, और हम सब एक साथ सद्भाव में रहेंगे।



☀ क्या तुम्हें पता है?

निर्वाण, जिसका शाब्दिक अर्थ है "बाहर निकलना", एक ऐसी मानसिक स्थिति का प्रतिनिधित्व करता है जिसमें अशुद्धियों की आग पूरी तरह से बुझ जाती है और एक शांतिपूर्ण मन प्राप्त हो जाता है। यह बौद्ध धर्म में आदर्श स्थिति है। निर्वाण का अर्थ उस अवस्था से भी हो गया है जिसमें जीवन की लौ बुझ जाती है; इसलिए इसे मृत्यु के रूप के रूप में प्रयोग किया जाता है।

* इस सामग्री का कोई भी पुनरुत्पादन या पुनर्प्रकाशन व्यक्तिगत, गैर-व्यावसायिक और सूचनात्मक उपयोग के लिए पुनरुत्पादन के अलावा निषिद्ध है।



दुःख से मुक्ति की विधि



चार आर्य सत्य मानव पीड़ा के मूल कारण और इसे कैसे हल किया जाए, के बारे में सिखाता है। चार आर्य सत्यों का अभ्यास करने में चार आवश्यक सिद्धांतों की अनुभूति होती है: दुःख का सत्य, दुःख का कारण, दुःख निरोध और दुःख निरोध मार्ग।

हमें यह अनुभव करना चाहिए कि मानव जीवन संकट और कठिनाइयों के कारण होने वाली पीड़ा से भरा है। हमें इस वास्तविकता का स्पष्ट रूप से सामना करना चाहिए और इसे पहचानना चाहिए; यह दुःख की सच्चाई है। दुःख का मुख्य कारण किसी भी चीज से चिपकना है; यही दुःख के कारण का सत्य है। यदि हम अपनी इच्छाओं को पूरी तरह से दबा सकें, तो हम दुःखों से मुक्त हो सकते हैं; यह आदर्श स्थिति दुःखों के निरोध का सत्य है। अंत में, हमारे जीवन में इस प्रक्रिया का अभ्यास करने का सही तरीका है, आष्टांगिक मार्ग; यह दुःख निरोध का मार्ग सत्य है। यह चार आर्य सत्यों की देशना है।

क्या तुम्हें पता है?

पीड़ा का सत्य हमें स्पष्ट रूप से दुःख का सामना करने और उसे पहचानने के लिए कहता है। चार आर्य सत्यों की निम्नलिखित क्रम में व्याख्या की गई है: दुःख का सत्य, दुःख के कारण का सत्य, दुःख के निरोध का सत्य और दुःख निरोध मार्ग का सत्य। हालाँकि, देशना को व्यवहार में लाने के लिए हम दुःख निरोध मार्ग के सत्य और दुःख का निरोध सत्य के क्रम को उलट देते हैं, क्योंकि हम पहले दुःख निरोध के मार्ग का अभ्यास करते हैं और उस अवस्था को प्राप्त करने का लक्ष्य रखते हैं जिसमें दुःखों का निरोध हो जाता है।

Director's Column

अब दूसरों को लाभ पहुँचाने का अभ्यास करने का समय है

रेवरेन्ट केइइची आकागावा
निदेशक, रिश्शो कोसेइ काइ इन्टरनेशनल

यह अब शिवासु है, जो जापानी में दिसंबर के लिए एक पुराना नाम है। एक प्रसिद्ध कहावत है जो लोग अक्सर वर्ष के इस समय के आसपास कहते हैं: "समय और ज्वार किसी का इंतजार नहीं करते।" इसका मतलब यह है कि मानव परिस्थितियों की परवाह किए बिना और बिना रुके एक के बाद एक वर्ष बीतते जाते हैं। जैसा कि आप इस कॉलम को पढ़ते हैं, आप पिछले वर्ष के बारे में कैसा महसूस कर रहे हैं?

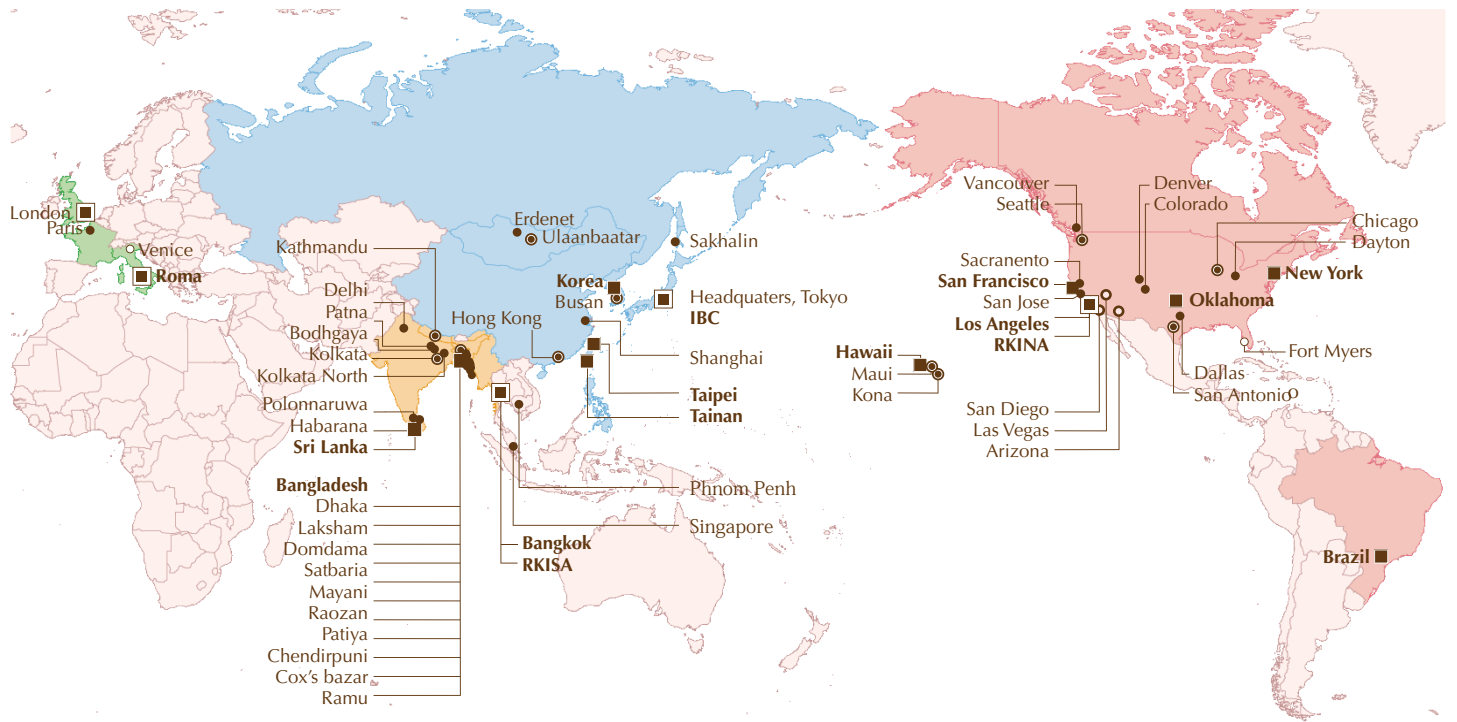
हालाँकि महामारी अपने तीसरे वर्ष में प्रवेश कर चुकी है, फिर भी हमें इसका अंत नज़र नहीं आ रहा है। यूक्रेन में फरवरी से शुरू हुआ रूस का आक्रमण अब भी जारी है। कई देशों में कीमतें बढ़ रही हैं, जिसका लोगों के जीवन पर काफी प्रभाव पड़ रहा है। जब हम इन विभिन्न सामाजिक वास्तविकताओं को देखते हैं, तो हमें अपने आप से पूछना चाहिए: बौद्ध ज्ञान और करुणा हमें समाधान की दिशा में कैसा संकेत दे सकता है?

इस दिशा में, मुझे लगता है कि इस अशांत समय में रहने के लिए हमसे जो पूछा जाता है, वह छह पारमिताओं का अभ्यास है, जिसे प्रेसिडेण्ट निवानो ने अपने धर्म वार्ता में समझाया, जिसका अर्थ है "जीवों के साथ साथ रहना।" मुझे लगता है कि हमें बोधिसत्वों का एक समुदाय बनाने के लिए भी कहा गया है। निश्चित रूप से मैं इस विश्वास में अकेला नहीं हूँ कि हम दूसरों को लाभ पहुँचाने का अभ्यास करने के लिए सबसे उपयुक्त समय में प्रवेश कर रहे हैं।



We welcome comments on our newsletter Living the Lotus: living.the.lotus.rk-international@kosei-kai.or.jp

Rissho Kosei-kai: A Global Buddhist Movement



Rissho Kosei-kai Buddhist Church of Hawaii

2280 Auhuhu Street, Pearl City, HI 96782, USA
 TEL: 1-808-455-3212 FAX: 1-808-455-4633
 Email: sangha@rkhawaii.org URL: <https://rkhawaii.org>

Rissho Kosei-kai Maui Dharma Center

1809 Nani Street, Wailuku, HI 96793, USA
 TEL: 1-808-242-6175 FAX: 1-808-244-4625

Rissho Kosei-kai Kona Dharma Center

73-4592 Mamalahoa Highway, Kailua-Kona, HI 96740, USA
 TEL: 1-808-325-0015 FAX: 1-808-333-5537

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

2707 East First Street, Los Angeles, CA 90033, USA
 TEL: 1-323-269-4741 FAX: 1-323-269-4567
 Email: info@rk-la.org URL: <https://www.rk-la.org>

Please contact Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Arizona**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Colorado**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Diego**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Las Vegas**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Dallas**

Rissho Kosei-kai of San Francisco

(Address) 1031 Valencia Way, Pacifica, CA 94044, USA
 (Mail) POBox 778, Pacifica, CA 94044, USA
 TEL: 1-650-359-6951 Email: lotusbuddhist@gmail.com
 URL: <https://sf-buddhism.org>

Please contact Rissho Kosei-kai of San Francisco

Rissho Kosei-kai of Sacramento

Rissho Kosei-kai of New York

320 East 39th Street, New York, NY 10016, USA
 TEL: 1-212-867-5677 Email: rkny39@gmail.com URL: <https://rk-ny.org>

Rissho Kosei-kai of Chicago

1 West Euclid Ave., Mt. Prospect, IL 60056, USA
 TEL: 1-773-842-5654
 Email: rkchicago@rkchi.org URL: <http://rkchi.org>

Rissho Kosei-kai of Fort Myers

Email: rkftmyersbuddhism@gmail.com URL: <https://rkftmyersbuddhism.org>

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Oklahoma

(Address) 2745 N.W. 40th St., Oklahoma City, OK 73112, USA
 (Mail) POBox 57138, Oklahoma City, OK 73157, USA
 TEL: 1-405-943-5030 FAX: 1-405-943-5303
 Email: dharmacenter@rkok-dharmacenter.org
 URL: <https://rkok-dharmacenter.org>

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Denver

1255 Galapago St. #809, Denver, CO 80204, USA
 TEL: 1-303-446-0792

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Dayton

617 Kling Drive, Dayton, OH 45419, USA
 URL: <http://www.rkina-dayton.com>

The Buddhist Center Rissho Kosei-kai International of North America (RKINA)

2707 East First St., Suite #1, Los Angeles, CA 90033, USA
 TEL: 1-323-262-4430 FAX: 1-323-269-4567
 Email: info@rkina.org
 URL: <https://www.buddhistcenter-rkina.org>

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Antonio

(Address) 6083 Babcock Road, San Antonio, TX 78240, USA
 (Mail) POBox 692148, San Antonio, TX 78249, USA
 TEL: 1-210-558-4430 FAX: 1-210-696-7745
 Email: dharmasa@rksabuddhistcenter.org
 URL: <https://rksabuddhistcenter.org>

Rissho Kosei-kai of Seattle

28621 Pacific Highway South, Federal Way, WA 98003, USA
 TEL: 1-253-945-0024 Email: rkseattlewashington@gmail.com
 URL: <https://www.buddhistlearningcenter.org>

Rissho Kosei-kai of Vancouver

Please contact RKINA

Rissho Kosei-kai do Brasil

Rua Dr. José Estefno 40, Vila Mariana, São Paulo-SP, CEP 04116-060, Brasil
 TEL: 55-11-5549-4446, 55-11-5573-8377
 Email: risho@rkk.org.br URL: <http://rkk.org.br>
 Facebook: <https://www.facebook.com/rishokosseikaidobrasil>
 Instagram: <https://www.instagram.com/rkkbrasil>

在家佛教韓國立正佼成會 Korean Rissho Kosei-kai
〒 04420 大韓民國 SEOUL 特別市龍山區漢南大路 8 路 6-3
6-3, 8 gil Hannamdaero Yongsan gu, Seoul, 04420, Republic of Korea
TEL: 82-2-796-5571 FAX: 82-2-796-1696

在家佛教韓國立正佼成會釜山支部

Korean Rissho Kosei-kai of Busan
〒 48460 大韓民國釜山廣域市南區水營路 174, 3F
3F, 174 Suyoung ro, Nam gu, Busan, 48460, Republic of Korea
TEL: 82-51-643-5571 FAX: 82-51-643-5572

社團法人在家佛教立正佼成會 Rissho Kosei-kai of Taipei
台灣台北市中正區衡陽路 10 號富群資訊大廈 4 樓
4F, No. 10, Hengyang Road, Jhongheng District, Taipei City 100, Taiwan
TEL: 886-2-2381-1632, 886-2-2381-1633 FAX: 886-2-2331-3433

台南市在家佛教立正佼成會 Rissho Kosei-kai of Tainan
台灣台南市東區崇明 23 街 45 號
No. 45, Chongming 23rd Street, East District, Tainan City 701, Taiwan
TEL: 886-6-289-1478 FAX: 886-6-289-1488
Email: koseikaitainan@gmail.com

Rissho Kosei-kai South Asia Division

Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkok, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8141

Rissho Kosei-kai of Kathmandu

Ward No. 3, Jhamsikhel, Sanepa-1, Lalitpur, Kathmandu, Nepal

Rissho Kosei-kai Society of Kolkata

89 Srirampur Road (VIP), Garia, Kolkata 700084, India

Rissho Kosei-kai of Kolkata North

AE/D/12 Arjunpur East, Teghoria, Kolkata 700059,
West Bengal, India

Rissho Kosei-kai of Bodhgaya

Ambedkar Nagar, West Police Line Road, Rampur, Gaya-823001,
Bihar, India

Rissho Kosei-kai of Patna

Please contact Rissho Kosei-kai Society of Kolkata

Rissho Kosei-kai of Delhi

77 Basement D.D.A. Site No. 1, New Rajinder Nagar,
New Delhi 110060, India

Rissho Kosei-kai of Singapore

Please contact Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai of Phnom Penh

W.C. 73, Toul Sampaov Village, Sangkat Toul Sangke, Khan Reouseykeo,
Phnom Penh, Cambodia

Rissho Kosei-kai International of South Asia (RKISA)

Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkok, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8141

Rissho Kosei-kai of Bangkok

Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkok, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8216 Email: info.thairissho@gmail.com

Rissho Kosei Dhamma Foundation

No. 628-A, Station Road, Hunupitiya, Wattala, Sri Lanka
TEL: 94-11-2982406 FAX: 94-11-2982405

Rissho Kosei-kai of Polonnaruwa

Please contact Rissho Kosei Dhamma Foundation

Rissho Kosei-kai Bangladesh

85/A Chanmari Road, Lalkhan Bazar, Chittagong, Bangladesh
TEL: 880-2-41360470

Rissho Kosei-kai Mayani

Mayani Barua Para, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Damdama

Damdama Barua Para, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Satbaria

Village: Satbaria Bepari Para, Chandanaih, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Chendhirpuni

Village: Chendhirpuni, P.O.: Adhunogar, P.S.: Lohagara, Chittagong,
Bangladesh

Rissho Kosei-kai Raozan

Dakkhin Para, Ramzan Ali Hat, Raozan, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Laksham

Village: Dhupchor, Laksham, Comilla, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Dhaka North

Bashundhara R/A, Dhaka, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Cox's Bazar

Ume Burmize Market, Tekpara, Sadar, Cox's Bazar, Bangladesh

Please contact Rissho Kosei-kai Bangladesh

Rissho Kosei-kai Patiya

Rissho Kosei-kai Ramu

Rissho Kosei-kai Aburkhlil

Buddiyskiy khram "Lotos"

4 Gruzinski Alley, Yuzhno-Sakhalinsk 693005, Russia
TEL: 7-4242-77-05-14

Rissho Kosei-kai of Hong Kong

Flat D, 5/F, Kiu Hing Mansion, 14 King's Road, North Point, Hong Kong, China

Rissho Kosei-kai Friends in Shanghai

Please contact Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai of Ulaanbaatar

(Address) 15F Express Tower, Peace avenue, khoro-1, Chingeltei district,
Ulaanbaatar 15160, Mongolia

(Mail) POBox 1364, Ulaanbaatar-15160, Mongolia
TEL: 976-70006960 Email: rkkmongolia@yahoo.co.jp

Rissho Kosei-kai of Erdenet

Please contact Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai di Roma

Via Torino, 29, 00184 Roma, Italia
TEL/FAX: 39-06-48913949 Email: roma@rk-euro.org

Please contact Rissho Kosei-kai di Roma

Rissho Kosei-kai di Venezia

Rissho Kosei-kai of Paris

Rissho Kosei-kai of the UK

29 Ashbourne Road, London W5 3ED, UK
TEL: 44-20-8933-3247 Email: info@rkuk.org URL: <https://www.rkuk.org>
Facebook: <https://www.facebook.com/rkuk.official>
Twitter: https://twitter.com/rkuk_official
Instagram: https://www.instagram.com/rkuk_official
YouTube: https://www.youtube.com/c/rkuk_official

Rissho Kosei-kai International Buddhist Congregation (IBC)

〒 166-8537 東京都杉並区和田 2-7-1 普門メディアセンター 3F
Fumon Media Center 3F, 2-7-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo 166-8537, Japan
TEL: 03-5341-1230 FAX: 03-5341-1224 URL: <https://www.ibt-rk.org>